न्यूज डायरी

रूस और यूक्रेन जंग के लिए नाटो कैसे बना बड़ा फैक्टर?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के जंग के बीच यह सवाल उठ रहा है कि अब नाटो की क्या भूमिका होगी। दरअसल, यूक्रेन के नाटो की सदस्यता को लेकर ही रूस ने कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। अमेरिका और नाटो के सदस्य देश यूक्रेन को नाटो का हिस्सा बनाना चाह रहे थे, जबकि रूस इसका विरोध कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों देशों के बीच तनातनी शुरू हुई। अमेरिका और नाटो सदस्य्य देशों ने कई बार रूस को यूक्रेन के खिलाफ जंग के लिए खबरदार भी किया था। अमेरिका हरदम कहता रहा है कि अगर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ा तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यहां तक कहा था कि युद्ध की स्थिति में अमेरिका शांत नहीं बैठा रहेगा। नार्थ एटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन यानी नाटो 1949 में बना एक सैन्य गठबंधन है।

कीव के आसमान में मंडरा रहा एक भूत, बना रूसी सैनिकों का काल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई जारी है। जंग के तीसरे दिन दोनों पक्षों की ओर से लगातार एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं। इस बीच कीव के भूत को लेकर चर्चा तेज हो गई है। यह भूत दरअसल यूक्रेन का बहादुर MiG-29 Fulcrum फाइटर पायलट है जिसे यूक्रेन के नागरिक अपना हीरो मान रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद से यह पायलट रूसी बेड़े में भीषण तबाही मचा चुका है और अब तक छह विमानों को तबाह कर चुका है। एक अकेला यूक्रेनी पायलट दिन के उजाले में कीव के ऊपर साहसी उड़ानें भर रहा है और लगातार रूस को नुकसान पहुंचा रहा है। युद्ध के माहौल में इस तरह की कहानियां काल्पनिक लगती हैं। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर इस श्भूतश को लेकर दावे किए जा रहे हैं। यूक्रेन के पत्रकार क्रिस्टोफर मिलर ने एक वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, मैंने दो यूक्रेनी विमानों को कीव की ओर बढ़ते हुए और फिर वापस आते हुए देखा।

भारत–रूस के संबंध अमेरिका और रूस के संबंधों से अलग हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध, अमेरिका और रूस के बीच संबंधों से अलहदा है और इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अमेरिका ने साथ ही कहा कि उसने रूस के साथ संबंध रखने वाले हर देश से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुरक्षित रखने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के अहम हित और मूल्य जुड़े हुए हैं। प्राइस ने कहा,'' भारत के साथ हमारे अहम हित जुड़े हुए हैं। हम भारत के साथ अहम मूल्य साझा करते हैं, और हम जानते हैं कि भारत के रूस के साथ संबंध उन संबंधों से अलग हैं जो हमारे और रूस के बीच हैं। और सही में इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है।''उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''भारत के रूस के साथ मजबूत रिश्ते हैं,जो हमारे यकीनन नहीं हैं।

कीव पर बम बरसा रही रूसी सेना, महिला सांसदों ने उठाए हथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन में रूस का हमला जारी है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने देश के नागरिकों से हथियार उठाने और अपनी धरती की रक्षा करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि वह भागने के बजाय कीव में ही रहेंगे। यूक्रेन की रक्षा करने के लिए अब नागरिकों से लेकर सांसदों ने हथियार उठा लिए हैं। शनिवार को यूक्रेन की एक सांसद कीरा रूडिक ने अपनी एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर की जिसमें वह बंदूक पकड़े हुए नजर आ रही हैं। 36 साल की महिला सांसद वर्तमान में वॉयस पार्टी की सदस्य और 2019 से सांसद हैं। सीएनएन से बात करते हुए रूडिक ने शुक्रवार को कहा कि वह यूक्रेन की राजधानी कीव में थीं। उन्होंने बताया कि हमें कलाश्निकोव रायफलें दी गईं और अगर रूसी सेना कीव में आती है तो हम उनसे मुकाबला करेंगे।

रूस से लड़ाई को फ्रांस ने भेजी हथियारों की खेप

जर्मनी–पोलैंड और अन्य यूरोपीय देशों ने की हमले की कड़ी निंदा

जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। यूक्रेन पर रूसी सेना युद्ध के तीसरे दिन एक बार फिर अपना आक्रमण तेज किए हुए है। इधर यूक्रेन को इस भीषण युद्ध में फ्रांस का साथ मिला है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रान के साथ फोन पर बात की जिसके बाद उन्होंने यूक्रेन का साथ देने का भरोसा दिया है। राष्ट्रपति जेलेन्सकी ने ट्वीट कर कहा कि, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ बात हुई है, हमारे सहयोगियों से हथियार और उपकरण यूक्रेन के रास्ते में हैं। युद्ध विरोधी गठबंधन अब काम कर रहा है। दूसरी ओर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक कार्यक्रम में चेताते हुए कहा कि, यह युद्ध अभी आगे चलेगा, यह संकट रहेगा और इसके साथ आने वाले सभी संकटों के स्थायी परिणाम होंगे।

रूस ने यूक्रेन के मेलिटोपोल शहर पर किया कब्जे का दावा, ब्रिटिश मंत्री ने नकाराः इधर रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के मेलिटोपोल शहर पर कब्जा करने का दावा किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस बात का दावा किया है कि उसने अब शहर पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। कीव पर भी अपना कब्जा करने के लिए रूस लगातार हमले कर रहा है। वहीं रूसी सेना द्वारा मेलिटोपोल पर कब्जा करने के दावे को ब्रिटिश सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हेप्पी ने नकार दिया है। हेप्पी ने कहा कि अभी कोई कब्जा नहीं किया गया है और राजधानी कीव में आगे बढ़ने वाले बख्तरबंद गाड़ियों को यूक्रेनी सेना द्वारा रोक दिया गया है।

कीव में रूस ने फिर दागी दो मिसाइलें: रायटर्स के अनुसार रूस ने कीव में दो मिसाइलें दागी हैं जिसमें से एक जुल्यानी हवाई अड्डे के पास और दूसरी आवासीय भवन में जाकर लगी है। दूसरी ओर रूस द्वारा कीव के विक्ट्री एवेन्यू पर सैन्य इकाइयों को निशाना बनाने की खबर सामने आई है। हालांकि रूस ने इस हमले को खारिज कर दिया था लेकिन न्यूज एजेंसी एएफपी ने इसकी पुख्ता जानकारी दी है और यूक्रेन की सेना ने भी अब अपने सत्यापित फेसबुक पेज पर इसकी पुष्टि कर दी है।

यूक्रेन के हालात पर भारत में जर्मनी के राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध की निंदी की है। उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है और साथ ही ये चेतावनी दी कि वह आर्थिक प्रतिबंधों के साथ प्रतिक्रिया देंगे। लिंडनर ने कहा कि हम दूसरे देश पर कब्जे की अनुमति नहीं दे सकते। वहीं भारत में पोलैंड के राजदूत, एडम बुराकोव्स्की ने कहा कि पोलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देश भी रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हैं।उन्होंने कहा कि रूस की आक्रामक कार्रवाई ने हमारे नागरिकों के लिए भी एक बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। साथ ही बुराकोव्स्की ने भरोसा दिया कि जो भारतीय यूक्रेन में रूसी आक्रमण से बच गए हैं, हम उन्हें पोलैंड में लाने में मदद कर रहे हैं। रूस के यूक्रेन पर जारी हमले के बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कीव की एक तस्वीर साझा की है। तसवीर से रूस द्वारा नागरिकों के ऊपर किए जा रहे हमले के साफ सबूत दिख रहे हैं।

युद्ध अभी नहीं थमेगा, भविष्य में होंगे गंभीर परिणाम: मैक्रो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि मास्को द्वारा अपने पश्चिमी समर्थक पड़ोसी देश पर आक्रमण शुरू करने के बाद दुनिया को रूस और यूक्रेन के बीच लंबे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने एनुअल एग्रीकल्चर फेयर में कहा कि दुनिया को श्लंबे युद्धश के लिए तैयार रहना होगा, क्योंकि यूक्रेन संकट के भविष्य में गंभीर परिणाम होने वाले हैं। दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रान के साथ फोन पर बात की जिसके बाद उन्होंने यूक्रेन का साथ देने का भरोसा दिया है। फ्रांस से जरूरी उपकरण और हथियार यूक्रेन भेजे जा रहे हैं।

फ्रांस के वार्षिक कृषि मेले में मैक्रों ने चेतावनी देते हुए कहा कि, ष्यह संकट बना रहेगा, यह युद्ध चलेगा और इसके साथ आने वाले सभी संकटों के स्थायी परिणाम होंगे। दूसरी ओर मैक्रान ने कृषि मेले में अपनी यात्रा के समय को भी कम कर दिया। इस बीच उन्होंने कहा कि युद्ध यूरोप में वापस आ गया है, इसे राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन द्वारा एकतरफा चुना गया है। मैक्रोन ने कहा कि यह एक दुखद मानवीय स्थिति है, यूक्रेनी लोग जो विरोध कर रहे हैं वो भारी तकलीफ से गुजर रही है।

यूक्रेन–रूस युद्ध की ये तस्वीरें देख कर दहल जाएगा आपका दिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यूक्रेन। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध का आज तीसरा दिन है। दोनों और से जबरदस्त हमले जारी हैं। रूस के लड़ाकू विमान, मिसाइल और टैंक समेत विभिन्न अत्याधुनिक हथियार यूक्रेन में कहर बरपा रहे हैं। यूक्रेन के शहरों में हर तरफ विनाश का मंजर दिख रहा है। ध्वस्त इमारतें, जान बचाने को भागते लोग, खाने–पीने का संकट, बिखरे पड़े शव युद्ध की विभीषिका को व्यक्त कर रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने फिर मित्र देशों से मदद की गुहार लगाई है। डर के बीच लोग मेट्रो स्टेशन पर भी पनाह लिए हुए दिखे। यूक्रेन पर रूस के तेज होते हमले के बीच वहां रहने वाले भारतीयों में बेचैनी बढ़ रही है।

फ्रेंच गुयाना के अंतरिक्ष लान्च पर लगाई रोक,अपने तकनीकी कर्मियों बुलाया वापस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूसी सेना तेजी से यूक्रेन पर अपना कब्जा कर रही है। आज यूक्रेन और रूस के युद्ध का तीसरा दिन है। ताबड़तोड़ हमलों और बम बारियों से जमीन के साथ–साथ आसमान भी दहल उठा है। वहीं इस बीच रूस ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के जवाब में फ्रेंच गुयाना से अंतरिक्ष लान्च को निलंबित कर दिया है। यही नहीं अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि उसने अपने तकनीकी कर्मियों को वापस बुला रहा है।

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने अपने टेलीग्राम चैनल में कहा, हमारे उद्यमों के

कास्मोड्रोम में 87 रूसी नागरिक

खिलाफ यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के जवाब में, रोस्कोस्मोस ने कौरो कास्मोड्रोम से अंतरिक्ष प्रक्षेपण के संगठन पर यूरोपीय भागीदारों के साथ अपने सहयोग को निलंबित कर दिया और फ्रेंच गुयाना से अपने तकनीकी कर्मियों को वापस ले लिया। आपको बता दें कि में कास्मोड्रोम में 87 रूसी नागरिक हैं। फिलहाल उनके जाने का योजना बनाई जा रही है।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंधो का जवाबः यूरोपीय संघ ने प्रोग्रेस राकेट और अंतरिक्ष केंद्र सहित 64 प्रमुख रूसी संरचनाओं के खिलाफ कठोर वित्तीय और तकनीकी प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोपीय संघ ने आर्कटिक के लिए तेल ड्रिलिंग उपकरण सहित, वित्तीय सेवा, तकनीकी व प्रौद्योगिकी सहायता और उपकरणों में व्यापार तक उनकी पहुंच को महत्वपूर्ण रुप से प्रतिबंधित कर दिया है। इन प्रतिबंधों की सूची में संचार उपकरण,अर्धचालक, विमानन, इलेक्ट्रानिक्स, और अंतरिक्ष घटक भी शामिल हैं। रूस ने यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के जवाब में फ्रेंच गुयाना से अंतरिक्ष प्रक्षेपण को निलंबित कर दिया है और अपने तकनीकी कर्मियों को वापस ले रहा है। लान्चर के उपयोग पर यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और रूस के बीच 2005 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

अपनी जेब में सूरजमुखी के बीज रखो, ताकि मरो तो फूल उगें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन की एक महिला वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रहा है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि एक अनजान महिला रूसी सैनिकों के सामने खड़ी है और उन्हें सूरजमुखी के कुछ बीज पकड़ा रही है। महिला को देखकर लोग भावुक हो गए हैं और उसकी तारीफ कर रहे हैं। भारी–भरकम हथियारों से लैस रूसी सैनिक के सामने महिला बिना डरे कह रही है, श्तुम्हें अपनी जेब में सूरजमुखी के बीज रखने चाहिए ताकि जब तुम मरो तब वे यूक्रेन में फूल बनकर उगें। हालांकि अभी तक इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है।

महिला सैनिक से पूछती है, तुम कौन हो? सैनिक जवाब देता है, हम यहां अभ्यास कर रहे हैं। आप यहां से जाइए। इसके बाद सैनिक बताता है कि वे रूसी हैं। महिला कहती है, श्तो तुम लोग यहां क्या कर रहे हो? सैनिक ने कहा, श्फिलहाल, हमारी बातचीत से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। महिला कहती है, श्तुम कब्जा करने वाले हो, तुम फांसीवादी हो, तुम हमारी जमीन पर इन बंदूकों के साथ क्या कर रहे हो?